



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

PUBLISHED BY AUTHORITY
प्राधिकार से प्रकाशित

सं. 292]
No. 292]

नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 28, 1991/पोष 7, 1913
NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 28, 1991/PAUSA 7, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

कार्मिक लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय
(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)
अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर, 1991

संख्या 10/9/91-के.से. (ii):- निम्नलिखित सेवाओं/पदों (और ऐसी अन्य सेवाओं/पदों की जिन्हें आयोग द्वारा विज्ञापन में आवेदन पत्र आमंत्रित करने समय शामिल किया जाए) में अस्थायी रिक्तियों को भरने के प्रयोजन से 1992 में कर्मचारी चयन आयोग, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगी परीक्षा के नियम सर्वसाधारण की सूचना के लिए प्रकाशित किए जाते हैं :-

(क) भारतीय विदेश सेवा "ख" के संवर्ग के आशुलिपिक ग्रेड-III

(ख) रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड "घ"

(ग) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड "घ"

(घ) मशस्त्र सेवा मुख्यालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड "घ"

(ङ) केन्द्रीय सतर्कता आयोग

(च) भारतीय चुनाव आयोग सचिवालय

(छ) अन्य दूसरे विभाग/कार्यालय जिनका ऊपर उल्लेख नहीं किया गया है ।

आयोग द्वारा उपर्युक्त सेवाओं/पदों के संबंध में उम्मीदवार से वरीयता उस समय मांगी जाएगी जब वे अपने आवेदन पत्र प्रस्तुत करेंगे । फिर भी उम्मीदवार लिखित परीक्षा की तारीख से पहले एक बार वरीयता क्रम में परिवर्तन कर सकते हैं ।

2. इस परीक्षा का संचालन कर्मचारी चयन आयोग द्वारा इन नियमों के परिशिष्ट-1 में विहित विधि से किया जाएगा ।

किन तारीखों को और किन-किन स्थानों पर परीक्षा आयोजित की जाएगी इसका निर्धारण आयोग करेगा ।

3. परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में निर्दिष्ट की जाएगी। भूतपूर्व सैनिकों, अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों तथा शारीरिक रूप से विकलांग (अपंग तथा आंशिक रूप से नेत्रहीन) व्यक्तियों के रिक्त स्थानों के संबंध के आरक्षण निर्देशों के अनुसार सरकार द्वारा निर्धारित ढंग से किया जाएगा।

टिप्पणी :—आंशिक विकलांगता : आंशिक रूप से विकलांग वे हैं जिनमें कम से कम 40% ऐसी शारीरिक कमी या विकृति हो जिससे अस्थिरता, मांसपेशियों और जोड़ों के सामान्य रूप से कार्य करने में बाधा होती हो।

(1) जो भूतपूर्व सैनिक सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित शर्तों को पूरा करते हैं उन्हें अपनी वास्तविक आय में से सैनिक सेवा का समय कम करने की अनुज्ञा दी जाएगी तथा ऐसी परिणामी आय निर्धारित आय सीमा से 3 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

इस आय छूट के अधीन परीक्षा में बैठने की जिन उम्मीदवारों को अनुमति दी गई है वे उन सभी रिक्तियों के लिए चाहें वे भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित हों अथवा नहीं परीक्षा देने के लिए पात्र होंगे।

भूतपूर्व सैनिक से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसने योद्धा अथवा गैर योद्धा के रूप में संघ को नियमित सेवा, नौसेना तथा वायु सेना में किसी भी रैंक में सेवा की है तथा:—

- (1) जो ऐसी सेवा में अपनी पेंशन लेने के बाद सेवा निवृत्त हुआ है, या
- (2) जिसे ऐसी सेवा से, सैनिक सेवा अथवा किन्हीं प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण मेडिकल आधार पर सेवा मुक्त किया गया हो तथा मेडिकल अथवा अन्य कोई अयोग्यता पेंशन दी गई हो।
- (3) जिसे अपने अनुरोध के सिवाए किसी और कारण, संस्थापना के कर्मचारियों की संख्या में कमी करने के कारण ऐसी सेवा से मुक्त किया गया हो, या
- (4) जिसे अपने कार्य की किसी विशेष अवधि तक पूरा करने के बाद उसके निजी अनुरोध के सिवाए किसी और कारण से अथवा कदाचार या अदक्षता के आधार पर बर्खास्त अथवा पदच्युत करके सेवा मुक्त कर दिया गया हो और उपदान दिया गया हो तथा जो निम्नलिखित श्रेणियों की प्रादेशिक सेना के कार्मिकों में शामिल हो अर्थात् :—

- (1) निरन्तर एम्बाइड सेवा पेंशन पाने वाले,
- (2) सैन्य सेवा के कारण शारीरिक रूप से अयोग्य हुए व्यक्ति, और
- (3) बहादुरी के खिताब विजेता।

नोट-1. जो भूतपूर्व सैनिक अपने पुनर्नियोजन के लिए भूतपूर्व सैनिकों के रूप में लाभ प्राप्त करने के बाद पहले से ही सिविल सरकारी सेवा में आ गए हैं वे आय में छूट के पात्र नहीं होंगे।

नोट-2. पैरा 3(1) के प्रयोजन से सैन्य बल में एक भूतपूर्व सैनिक की "काल अप सर्विस" की अवधि को सैन्य बलों की सेवा के रूप में माना जाएगा।

नोट-3. संघ की तीनों मण्डल सेनाओं के किसी सैनिक को आरक्षण के लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से एक भूतपूर्व सैनिक मानने के प्रयोजन से उसने पद/सेवा के लिए आवेदन पत्र प्रस्तुत करते समय भूतपूर्व सैनिक का सार पहले ही प्राप्त किया हो और अथवा वह किसी सक्षम प्राधिकारी से लिखित साक्ष्य द्वारा अपनी हकदारी के लिए यह सिद्ध करने की स्थिति में हो कि उसे अंतिम तिथि से अपनी नौकरी की एक साप्ताहिक निश्चित अवधि पूरी हो जाने के बाद मण्डल सेनाओं में सेवामुक्त कर दिया जाएगा। इस संबंध में उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण पत्र/वचन का प्रत्यक्ष अनुबंध में दिया गया है [जैसा कि दिनांक 3-4-91 के कार्यालय ज्ञापन संख्या 36034/2/91-स्था. (अनुसूचित जाति) के पैरा 2 में दिया है।]

3(2) आंगिक तथा आंशिक रूप से नेत्रहीन (पैरा 3 में यथा निर्दिष्ट) से ऐसा विकलांग व्यक्ति अभिप्रेत है जैसा कि सरकार द्वारा समय-समय पर परिभाषित किया जाता है। अपंग व्यक्तियों को सहायक देने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

नोट :— आंशिक रूप से अंधे उम्मीदवार के लिए अलग से एक परीक्षा आयोजित की जा सकती है।

(3) अनुसूचित जाति/जनजाति से अभिप्राय उस किसी भी जाति से है जिसका निम्नलिखित में उल्लेख किया गया है :—

संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जाति) संघ राज्य क्षेत्र आदेश, 1951, संविधान (अनुसूचित जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951 जिसे अनुसूचित जनजाति सूची (संशोधन) आदेश, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश अधिनियम, 1970 तथा उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971, संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956, संविधान (अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1959 संविधान (दादरा और नगर हवेली) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1962, संविधान (दादरा और नगर हवेली) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1962, संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964, संविधान (अनुसूचित जनजाति) उत्तर प्रदेश आदेश, 1967, संविधान (गोआ, दमन और दीव) अनुसूचित जाति आदेश, 1968, संविधान (गोआ, दमन और

दीव) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1968, संविधान (तागा-लैंड) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1970, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976, संविधान (मिक्किम) अनुसूचित जाति आदेश, 1978, संविधान (मिक्किम) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1978, संविधान (जम्मू व कश्मीर) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1989 संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1990 और संविधान (अनुसूचित जनजाति) (संशोधन) अध्यादेश, 1991, समय-समय पर यथा संशोधित।

(4) (1) यह आवश्यक है कि उम्मीदवार या तो—

(क) भारत का नागरिक हो, या

(ख) नेपाल का रहने वाला हो, या

(ग) भूटान का निवासी हो, या

(घ) ऐसा निवृत्त शरणार्थी हो, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत में आया हो, या

(ङ) भारतीय मूल का ऐसा व्यक्ति हो, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और कन्या, उगांडा और तंजानिया, मयुक्क गणराज्य (भूतपूर्व तंजानिका व जंजीबार) के पूर्व अफ्रीकी देशों, जॉर्जिया, मलावी जायरे, इथोपिया और वियतनाम से आया हो।

आगे यह कि उपर्युक्त प्रवर्ग (ख), (ग), (घ) तथा (ङ) का कोई उम्मीदवार वही व्यक्ति होगा जिसके लिए भारत सरकार द्वारा पात्रता पत्र जारी कर दिया गया हो।

इसने आगे यह कि उपर्युक्त प्रवर्ग (ख), (ग) और (घ) का कोई व्यक्ति भारतीय विदेश सेवा (ख)-आशुलिपिक मंत्रग का (ग्रेड-3) में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा।

(2) किसी उम्मीदवार को, जिसके मामले में पात्रता प्रमाण पत्र आवश्यक हो, परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है, लेकिन नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जाएगा जबकि, जिस पद पर उम्मीदवार को नियुक्त किए जाने की संभावना है, उस पद के प्रशासनिक रूप से संबंधित मंत्रालय/विभाग द्वारा उम्मीदवार की आवश्यक पात्रता प्रमाण पत्र दे दिया गया है।

5. (क) इस परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवार की आयु 1-1-92 की 18 वर्ष से कम और 25 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1967 से पहले और 1 जनवरी, 1974 के बाद नहीं हुआ हो।

(ख) उन व्यक्तियों के संबंध में ऊपरी आयु सीमा में 40 वर्ष आयु तक छूट दी जाएगी जो भारत सरकार के विभिन्न विभागों/कार्यालयों में स्थायी रूप से आशुलिपिकों (जिसमें भाषा आशुलिपिक/लिपिक/ग्रांथ टंकक/हिन्दी लिपिक/हिन्दी टंकक शामिल हैं) के रूप में नियुक्त किया गया है और जिन्होंने आशुलिपिकों के रूप में (भाषा आशुलिपिक

लिपिक/ग्रांथ टंकक/हिन्दी लिपिक/ हिन्दी टंकक भी शामिल हैं) 1 जनवरी, 1992 तक 3 साल से कम सेवा न की हो और अभी भी वे इसी तरह नियुक्त हों।

(ग) ऊपर लिखित सभी मामलों में ऊपरी आयु सीमा में निर्म्नालिखित और छूट होंगी

(1) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक।

(2) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से सदभावपूर्वक प्रत्यावर्तित या भविष्य में प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत श्री लंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रजनन किया हो, या प्रजनन करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए 8 वर्ष तक)

(3) किसी दूसरे देश से संघर्ष के दौरान अथवा उपद्रव-ग्रस्त इलाकों में फौजी कार्यवाहियों को करते समय अशक्त हुए तथा उसके परिणामस्वरूप नौकरी से निर्मुक्त रक्षा सेवा कार्मिकों के मामले में अधिकतम 3 वर्ष तक) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए 8 वर्ष तक)

(4) यदि उम्मीदवार शारीरिक रूप से विकलांग हो अर्थात् जिसका कोई अंग विकृत है तथा आंशिक रूप से नेत्रहीन हो तो, अधिक से अधिक 10 वर्ष तक

(5) ऐसी विधवाओं, तलाकशुदा महिलाओं और न्यायिक तौर पर अपने पतियों से अलग हुई महिलाओं, के मामले में जिन्होंने पुनर्विवाह नहीं किया है, 35 वर्ष की आयु (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए 40 वर्ष तक)

(6) भूटान के चूबा विद्युत परियोजना प्राधिकरण के सीधे भर्ती किए गए ऐसे कर्मचारियों को जिनकी छठनी की गई है, को ऊपरी आयु सीमा में उनके द्वारा प्राधिकरण में की गई नियमित सेवा की अवधि के बराबर छूट दी जाएगी। छठनी किए गए कर्मचारियों की नियमित सेवा की अवधि का निर्णय, चूबा विद्युत परियोजना प्राधिकरण द्वारा जारी किए गए प्रमाण-पत्र के आधार पर किया जाएगा। ऊपर की गई व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु-सीमा में किसी भी हानत में छूट नहीं दी जा सकती है। भूतपूर्व शैक्तियों के पुत्रों, पुत्रियों तथा अश्रितों को तथा पिछड़े वर्गों के व्यक्तियों को आयु गिरावन अनुज्ञेय नहीं है।

ध्यान दें : (1) जिस उम्मीदवार को उपर्युक्त नियम 5(ख) में उल्लिखित आयु छूट के अधीन परीक्षा में प्रवेश दे दिया गया है। उसकी उम्मीदवारी रद्द की जा सकती है जबकि आवेदन पत्र भेजने के बाद वह परीक्षा से पहले परीक्षा देने के बाद सेवा में त्यागपत्र दे देता है या विभाग द्वारा उसकी सेवाएं समाप्त कर दी जाती हैं। किन्तु आवेदन पत्र भेजने के बाद यदि उसकी सेवा या पद से छठनी हो जाती है तो वह पात्र बना रहेगा।

ध्यान दें : (2) ऐसा आणुलिपिक (भाषा आणुलिपिक/लिपिक/आणु टंकक/हिन्दी लिपिक/हिन्दी टंकक सहित सक्षम सहित जो सक्षम प्राधिकारी अनुमोदन से संवर्ग बाह्य पदों पर प्रतिनियुक्ति पर है अथवा जिसे किसी अन्य पद पर स्थानांतरित कर दिया गया है परन्तु उनका आरणाधिकार उस पद पर है जिससे वह स्थानांतरित किया गया था, वह अन्यथा पात्र है तो परीक्षा में बैठने का पात्र होगा।

6. उम्मीदवारों ने केन्द्र या राज्य विधान मण्डल के किसी अधिनियम द्वारा निगमित किसी विश्वविद्यालय का मैट्रिक परीक्षा अवश्य पास की हो अथवा उसके पास 1-1-92 को किसी राज्य के शिक्षा बोर्ड का माध्यमिक स्कूल परीक्षा का या कोई और ऐसा प्रमाणपत्र हो जिसे उस राज्य की सरकार भारत सरकार द्वारा नौकरों में प्रवेश के लिए मैट्रिक के प्रमाणपत्र के समकक्ष माना गया हो।

नोट-1. जिन अभ्यर्थियों को अभी मैट्रिक की परीक्षा में बैठना है या जिनका परीक्षा परिणाम रोक रखा गया है या 1-1-1992 या इसके पूर्व घोषित नहीं होता वे पात्र नहीं हैं।

नोट-2. आपवादिक परिस्थितियों में केन्द्रीय सरकार किसी ऐसे उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र मान सकती है जिसके पास उपयुक्त नियम में निर्धारित शैक्षिक अर्हताओं में से कोई अर्हता नहीं हो बशर्ते कि उम्मीदवार के पास कोई ऐसी अर्हता हो जिसका स्तर सरकार के मतानुसार ऐसा हो कि उसके आधार पर उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है।

7. जिस व्यक्ति ने—

- (क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है जिसका जीवित पति पत्नी पहले से हैं, या
- (ख) जीवित पति पत्नी के रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है वह सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह, ऐसे व्यक्ति तथा विवाह सूत्र के दूस्रे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वाकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं, तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

8. सरकारी सेवार्त सभी अभ्यर्थी चाहे वे स्थायी हों या अस्थायी, अथवा अनियत या दैनिक कर्मचारियों के अलावा कार्य-प्रभारित कर्मचारी हों या लोक उद्यम के अधीन कार्यरत हों, उन्हें एक बचनपत्र जमा करना होगा कि उन्होंने अपने कार्यालय विभाग के प्रमुख को लिखित रूप से सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

अभ्यर्थी ध्यान दें कि यदि आयोग को उनके नियोजन द्वारा आवेदन करने वाले अभ्यर्थी के परीक्षा में शामिल होने

का अंतिम रोकने संबंधी कोई संदेश प्राप्त होता है तो उसका आवेदन पत्र अस्वाकृत कर दिया जाएगा/अभ्यर्थिता निरस्त कर दी जाएगी।

9. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा के अधिकारों के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलता निभाने में बाधक हो। यदि सक्षम प्राधिकार द्वारा विहित डाक्टरों परीक्षा के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञान हुआ कि वह इन अवस्थाओं को पूरा नहीं कर सकता है तो उसका नियुक्ति नहीं का जाएगा। केवल उन्हीं उम्मीदवारों का डाक्टरों परीक्षा का जाएगा जिन पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने का संभावना हो।

टिप्पणी :—अशक्त भूतपूर्व रक्षा कार्मिकों के मामले में, रक्षा सेवा के सैन्य विघटन डाक्टरों बोर्ड (हा प्रोवा लाइसेंसन मेडिकल बोर्ड) द्वारा दिया गया स्वस्थता प्रमाण पत्र नियुक्ति के प्रयोजन के लिए पर्याप्त समझा जाएगा।

10. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार का पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

11. अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति, शारीरिक विकलांग तथा भूतपूर्व सैनिक छोड़कर सभी उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस में निर्धारित शुल्क देना होगा।

12. किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जायेगा जब तक उसके पास आयोग का प्रवेश पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) न हो।

13. यदि उम्मीदवार ने अपनी उम्मीदवार के लिए किसी प्रकाश का समर्थन प्राप्त करने का प्रयत्न किया तो उसे परीक्षा में प्रवेश करने के लिए अपयोग्य माना जा सकता है।

14. यदि किसी उम्मीदवार को आयोग द्वारा निम्न-लिखित बातों के लिए दोषी घोषित कर दिया जाता है या कर दिया गया हो कि उसने :

- (1) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारों के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (2) नाम बदलकर परीक्षा दी है, अथवा
- (3) किसी अन्य व्यक्ति से नाम बदल कर परीक्षा दिलाई है, अथवा
- (4) ज्ञान प्रमाण पत्र या ऐसे प्रमाण पत्र प्रस्तुत किये हैं जिनमें तथ्यों को बिगाड़ा गया हो, अथवा
- (5) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अ-य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (6) गलत या झूठे विवरण दिये हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाया है, अथवा

- (7) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो; या
- (8) उत्तर पुस्तिकाओं पर असम्मत बातें लिखी हों जो अश्लिल भाषा में या अशुभ आशय का हों; या
- (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुरुपयोग किया हो; या
- (10) उसके द्वारा अपने साथ परीक्षा भवन से उत्तर पुस्तिका/प्राशुलिपि लिपिणी टंकण आलेख ले जाई गई हो या परीक्षा संचालन के दौरान उसे किसी अनधिकृत व्यक्ति/व्यक्तियों को देा गई हो।
- (11) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों की परेशान किया हो या अन्य प्रकार का शारीरिक क्षति पहुँचाई हो,
- (12) परीक्षा देने का अनुमति वाले प्रवेश पत्र के साथ उम्मीदवारों को जारी किए गए किसी अनुदेश का उल्लंघन किया हो, अथवा
- (13) उपर्युक्त खंडों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अव्यवस्थित करने का प्रयत्न किया हो, तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रोसीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे—
- (क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से, जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा
- (ख) उसे स्थाई रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए—
- (i) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए,
- (ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से वंचित किया जा सकता है, और
- (ग) यदि वह पहले से सरकारी नौकरी में हो तो उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

15. उम्मीदवारों का चयन : परीक्षा के बाद आयोग हर एक उम्मीदवार को अंतिम रूप से दिये गये कुल प्राप्तांकों के आधार पर उनके योग्यता क्रम के अनुसार उनके नामों की सूची बनायेगा और उस क्रम के अनुसार आयोग उस परीक्षा में जितने उम्मीदवारों को अंग्रेजी प्राशुलिपिकों अथवा हिन्दी प्राशुलिपिकों जैसा भी सामला हो के रूप में नियुक्ति के लिए अर्हता प्राप्त समझेगा, उनकी इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली अतिरिक्त रिक्तियों में नियुक्ति के लिए अपेक्षित संख्या तक सिफारिश की जाएगी।

इन नियमों में दिये गये अन्य उपबंधों के अध्वधीन, परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्तियाँ करते समय उम्मीदवार द्वारा अपने आवेदन पत्र में विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए व्यक्त की गई अपेक्षाओं पर उचित ध्यान दिया जाएगा।

परन्तु यदि शारीरिक रूप से विकलांग वर्गों अथवा भूतपूर्व सैनिकों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियाँ इन वर्गों के उम्मीदवारों द्वारा सामान्य मानकों के आधार पर नहीं भरी जा सकती हों, तो आरक्षित कोटे कमी को पूरा करने के लिए आयोग द्वारा स्तर में छूट देकर, चाहे परीक्षा के योग्यता क्रम में उनका कोई भी स्थान हो, सेवा में चयन करने के लिए उनकी सिफारिश की जाएगी, बशर्ते कि वे उपयुक्त हों।

आयोग अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों की सिफारिश इन वर्गों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक मानकों में छूट दे सकेगा बशर्ते कि ये उम्मीदवार सेवा में चयन के लिए योग्य हों।

और यह कि अनुसूचित जाति/जनजाति के ऐसे उम्मीदवार जिनकी आयोग ने इस उपनियम में संदर्भित मानकों में छूट का सहारा लिए बिना सिफारिश की है उन्हें वर्गों के लिए आरक्षित रिक्तियों पर समायोजित नहीं किया जाएगा।

16. हर एक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में तथा किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग अपने विवेकानुसार करेगा और आयोग परीक्षाफल के संबंध में उनसे कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

17. उम्मीदवार के चरित्र तथा पूर्ववृत्तों की आवश्यक जांच के बाद जब तक सरकार इस बात में संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है, तब तक परीक्षा में पास हो जाने मात्र से नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता।

18. इस परीक्षा के द्वारा जिन सेवाओं के लिए भर्ती की जा रही है उनके संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट-II में दिए गए हैं।

करतार सिंह, अधर सचिव

परिशिष्ट-I

परीक्षा की योजना : परीक्षा के दो भाग होंगे, अर्थात् :-

भाग 1 : लिखित परीक्षा

भाग 2 : प्राशुलिपि परीक्षा

भाग-1

लिखित परीक्षा : परीक्षा के विषय, प्रत्येक विषय के लिए दिया गया समय तथा पूर्णांक और पाठ्य विवरण तथा स्तर निम्न होंगे :—

विषय	पूर्णांक	दिया गया समय
(1) सामान्य जागरूकता	100	दो घंटे
(2) भाषा परीक्षा		
(हिन्दी/अंग्रेजी)	100	
		200

दोनों ही उक्त विषयों से संबंधित केवल एक संयुक्त पेपर होगा जिसमें वर्तुनिष्ठ बहुविकल्पी प्रकार के प्रश्न होंगे प्रत्येक के चार वैकल्पिक उत्तर होंगे। उम्मीदवारों को दोनों ही विषयों को अलग-अलग रूप से पाम करना अनिवार्य होगा। आयोग को किसी एक विषय या दोनों ही विषयों के लिए न्यूनतम श्रद्धेक अंक निर्धारित करने की पूर्ण छूट होगी। केवल वही उम्मीदवार आशुलिपिक परीक्षा के लिए बुलाए जागे के पात्र होंगे जो दोनों में से प्रत्येक विषयों में लिखित परीक्षा में ऐसे न्यूनतम अंक प्राप्त करें जो आयोग द्वारा उसके विवेक से निर्धारित किए जा सकते हैं। उम्मीदवारों को यह विकल्प होगा कि वे भाषा परीक्षा का उत्तर हिन्दी में दें या अंग्रेजी में। जो उम्मीदवार आशुलिपिक परीक्षा हिन्दी में देना चाहते हैं वे भाषा परीक्षा हिन्दी में देंगे तथा जो उम्मीदवार आशुलिपि परीक्षा अंग्रेजी में देना चाहते हैं वे भाषा परीक्षण अंग्रेजी में देंगे। जो अभ्यर्थी भाषा परीक्षण में अपने आवेदन पत्र में दिए गए विकल्प से इतर भाषा में या दोनों भाषा में उत्तर देंगे उन्हें शून्य अंक दिया जाएगा।

स्तर तथा पाठ्य विवरण : प्रश्न पत्रों का स्तर लगभग वही होगा जो किसी भारतीय विश्वविद्यालय की मैट्रिकुलेशन परीक्षा का होता है।

सामान्य जागरूकता : इसमें प्रश्न इस प्रकार से तैयार किए जाएंगे जिसमें कि उम्मीदवार की इसके ग्रामपाम घटने वाली घटनाओं तथा समाज में उसकी प्रासंगिकता के संबंध में, सामान्य जागरूकता संबंधी योग्यता का मूल्यांकन किया जा सके। इसमें ऐसे भी प्रश्न रखे जाएंगे जिसमें कि उम्मीदवार की, वर्तमान घटनाक्रम और दिन प्रतिदिन नजर आने वाली तथा उनके वैज्ञानिक पहलुओं की बातें जिनको जानकारी पढ़े लिखे व्यक्ति को होनी चाहिए, ज्ञान का मूल्यांकन किया जा सके। इस परीक्षा में भारत तथा इसके पड़ोसी देशों के संबंध में विशेषकर इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थ व्यवस्था, सामान्य नीति तथा वैज्ञानिक अनुसंधान से संबंधित प्रश्न भी होंगे।

भाषा परीक्षा (हिन्दी/अंग्रेजी) : इस परीक्षा में ऐसे प्रश्न होंगे जिससे कि उम्मीदवार के हिन्दी/अंग्रेजी भाषा तथा इसकी शब्दावली, व्याकरण, वाक्य संरचना, समानार्थ तथा

विपरीतार्थक आदि से संबंधित ज्ञान का मूल्यांकन किया जा सके। परिच्छेद को समझने के संबंध में भी प्रश्न होंगे।

300 अंक

भाग II

हिन्दी या अंग्रेजी में आशुलिपि परीक्षा

(लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण होने वालों के लिए)

आशुलिपि परीक्षा के बारे में ब्यारे इस प्रकार होंगे :—
आशुलिपि परीक्षा की योजना :

उम्मीदवारों को अंग्रेजी अथवा हिन्दी में 80 शब्द प्रति मिनट की गति से 10 मिनट के लिए एक श्रवलेख की परीक्षा देनी होगी। जो उम्मीदवार अंग्रेजी में परीक्षा देने का विकल्प देंगे उन्हें 65 मिनट में सामग्री का लिप्यन्तर करना होगा और जो उम्मीदवार हिन्दी में परीक्षा देने का विकल्प देंगे उन्हें 75 मिनट में सामग्री का लिप्यन्तर करना होगा।

- (1) उम्मीदवारों को अपने आशुलिपि नोट टंकण मशीन पर लिप्यन्तर करने होंगे, और इस प्रयोजन के लिए उन्हें अपनी टंकण मशीन लानी होगी।
- (2) जो उम्मीदवार हिन्दी में आशुलिपि परीक्षा देने का विकल्प देंगे उन्हें अपनी नियुक्ति के बाद अंग्रेजी आशुलिपि सीखनी आवश्यक होगी और जो उम्मीदवार अंग्रेजी में आशुलिपि परीक्षा देने का विकल्प देंगे उन्हें हिन्दी आशुलिपि सीखनी आवश्यक होगी।

परिशिष्ट-II

इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं/पदों के लिए भर्ती की जा रही है उससे संबंधित संक्षिप्त ब्यारे।

क. केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा।

1. केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपि सेवा में इस समय निम्नलिखित ग्रेड हैं :—

निजी सचिव ग्रेड	रु. 3000-100-3500-द.रो.- 125-4500।
ग्रेड 'क' और 'ख' (सबिलयतः)	रु. 2000-60-2300-द.रो.-75- 3200-100-3500।
ग्रेड 'ग'	रु. 1640-60-2600-द.रो.-75- 2900।
ग्रेड 'घ'	रु. 1200-30-1560-द.रो.-40- 2040।

2. उक्त सेवा के ग्रेड 'घ' में नियुक्त व्यक्ति दो वर्ष तक परिवीक्षाधीन रहेंगे। इस अवधि के दौरान उन्हें ऐसे प्रशिक्षण लेने आवश्यक है तथा ऐसी परीक्षाएं पाम करनी आवश्यक हैं जो सरकार द्वारा निर्धारित की जाएं।

3. परीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार संबंधित व्यक्ति को उसके पद पर स्थायी कर सकती है या यदि उसका कार्य अथवा आचरण सरकार की राय में असंतोषजनक रहा हो तो उसे सेवा से निकाला जा सकता है या सरकार उसकी परीक्षा अवधि जितनी और बढ़ाना उचित समझे बढ़ा सकती है।

4. सेवा के ग्रेड 'घ' में भर्ती किए गए व्यक्तियों को केन्द्रीय सचिवालय आणुलिपिक सेवा योजना में भाग लेने वाले मंत्रालयों या कार्यालयों में से किसी एक में नियुक्त कर दिया जायगा। किन्तु उसकी किसी भी समय किसी भी ऐसे अन्य मंत्रालय या कार्यालय में बदली हो सकती है।

5. सेवा के ग्रेड 'घ' में भर्ती किए गए व्यक्ति इस संबंध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार अगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नत किए जाने के पात्र होंगे।

(ख) रेलवे बोर्ड सचिवालय आणुलिपिक सेवा :

(क) (1) रेल बोर्ड सचिवालय आणुलिपिक सेवा में फिलहाल निम्नलिखित ग्रेड हैं :—

ग्रेड 'क'	}	र. 2000-60-2300-द.रो.-75-
ग्रेड 'ख'		3200-100-3500 का एकीकृत ग्रेड।
ग्रेड 'ग'		र. 1640-60-2600-द.रो.-75-2900।
ग्रेड 'घ'		र. 1200-30-1560-द.रो.-40-2040।

(2) उक्त सेवा में ग्रेड 'घ' में भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षाधीन रहेंगे। इस अवधि के दौरान उन्हें ऐसा प्रशिक्षण लेना पड़ेगा तथा ऐसी परीक्षा उत्तीर्ण करनी पड़ेगी जो सरकार समय-समय पर निर्धारित करे। परीक्षा अवधि के समाप्त होने पर यदि यह पाया गया कि सरकार की राय में उनमें से किसी भी व्यक्ति का कार्य या आचरण असंतोषजनक रहा है तो उसे सेवा से निकाला जा सकता है या उसकी परीक्षा की अवधि को सरकार द्वारा अपेक्षित अवधि तक बढ़ाया जा सकता है।

(3) उक्त सेवा के ग्रेड घ में भर्ती किए गए व्यक्ति इस संबंध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार अगले उच्च ग्रेड में पदोन्नति के पात्र होंगे।

(ख) रेलवे बोर्ड सचिवालय आणुलिपिक सेवा रेल मंत्रालय तक ही सीमित है तथा केन्द्रीय सचिवालय आणुलिपिक सेवा की तरह कर्मचारियों का अन्य मंत्रालय में स्थानांतरण नहीं होता है।

(ग) इन नियमों के अधीन भर्ती किए गए रेलवे बोर्ड आणुलिपिक सेवा के अधिकारी :—

(i) पेंशन लाभ के पात्र होंगे तथा

(ii) सेवा में आने को तारीख को नियुक्त रेल कर्मचारियों पर लागू गैर अंशदायी राज्य रेल भविष्य निधि के अधीन उक्त निधि में अभिदान करेंगे।

(घ) रेलवे बोर्ड सचिवालय आणुलिपिक सेवा में नियुक्त उम्मीदवार रेलवे बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार पाम और विशेषाधिकार टिकट आदेश का हकदार होगा।

(ङ) जहां तक अवकाश तथा सेवा की अन्य शर्तों का संबंध है रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा में सम्मिलित स्टाफ के साथ वैसा ही वर्तित किया जाता है जैसा कि रेलवे के अन्य स्टाफ से, किन्तु चिकित्सा सुविधाओं के मामले में वे केन्द्रीय सरकार के अन्य कर्मचारियों पर लागू नियमों में शामिल होंगे जिनका जिनका मुख्यालय नई दिल्ली होगा।

(ग) भारतीय विदेश सेवा (ख) आणुलिपिक संवर्ग का ग्रेड-III इस समय भारतीय विदेश सेवा 'ख' के आणुलिपिक संवर्ग के निम्नलिखित ग्रेड हैं :—

प्रवर ग्रेड/ग्रेड I	र. 2000-60-2300-द.रो.-75-3200-100-3500-ग्रेड II
ग्रेड-II	र. 1640-60-2600-द.रो.-75-2900।
ग्रेड-III	र. 1200-30-1560-द.रो.-40-2040।

आणुलिपिक संवर्ग में र. 3000-100-3500-द.रो.-125-4500 के वेतनमान में तथा ग्रेड सृजित करने की कार्यवाई चल रही है।

2. सेवा के ग्रेड-III में नियुक्त व्यक्ति दो वर्ष तक परीक्षाधीन रहेंगे। इस अवधि के दौरान उन्हें ऐसे प्रशिक्षण लेने तथा ऐसी परीक्षाएं पास करनी आवश्यक हैं जो सरकार द्वारा निर्धारित की जाएं। परीक्षा को अवधि पूरी होने पर यदि उनमें से किसी का भी कार्य अथवा आचरण सरकार की राय में असंतोषजनक पाया जाए तो उस स्थिति में या तो उसे सेवा से निकाला जा सकता है या सरकार द्वारा यथोचित समय के लिए उसकी परीक्षा अवधि को आगे बढ़ाया जा सकता है।

3. भारतीय विदेश सेवा "ख" में नियुक्त किए गए उम्मीदवारों को मुख्यालयों भारत में किसी भी स्थान पर अथवा विदेश में जिस पद पर भी नियंत्रक प्राधिकारियों द्वारा तैनात किया जाए, पदों पर सेवा करनी होगी।

4. विदेश सेवा के दौरान भारतीय विदेश सेवा (ख) के अधिकारियों को संबंधित देशों की जीवन-निर्वाह लागत आवृत्ति पर आधारित समय-समय पर मंजूर की जाने वाली दरों पर उन्हें मूल वेतन के अतिरिक्त विदेश भत्ता मंजूर किया जाता है। इसके अतिरिक्त, भारतीय विदेश सेवा (ख) के

अधिकारियों पर लागू भारतीय विदेश सेवा (पी.एल.सी.) नियमावली, 1961 के अनुसार, विदेश सेवा के दौरान निम्न-लिखित रियायतें भी स्वीकार्य होंगी :

- (i) सरकार द्वारा निर्धारित वेतनमान के अनुसार निःशुल्क मुसज्जित आवास;
 - (ii) सहायता प्राप्त चिकित्सा परिचर्या योजना के अधीन चिकित्सा परिचर्या प्रसुविधाएं;
 - (iii) व्यक्तिगत आकस्मिक स्थिति में भारत में आने और विदेश में अपने तैनाती के स्थान पर वापिस जाने के लिए अधिकारियों की पूरी सेवा के दौरान अधिकतम दो बार हवाई यात्रा के एकल टिकट;
 - (iv) कुछ शर्तों के अध्वधीन छुट्टियों के दौरान माता-पिता को मिलने के लिए भारत में पढ़ाई कर रहे 6 वर्ष से 22 वर्ष तक के आयु वर्ग के बच्चों को वार्षिक वापसी हवाई यात्रा टिकट;
 - (v) अधिकारियों की विदेश में नियुक्ति के स्थान में पढ़ाई कर रहे 5 से 18 वर्ष तक की आयु के भीतर के अधिकतम दो बच्चों की शिक्षा पर हुआ व्यय कुछ शर्तों के अधीन सरकार द्वारा वहन किया जाता है;
 - (vi) विद्यमान अनुदेशों के अनुसार विदेश में नियुक्ति के लिए सज्जा (आउटफिट) भत्ता।
 - (vii) निर्धारित नियमों के अनुसार अधिकारियों और उनके परिवारों को स्वदेश छुट्टी यात्रा भत्ता।
- (घ) सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा :

विद्यमान स्थिति के अनुसार सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा के चार ग्रेड हैं जिनको भरने की पद्धतियां निम्नानुसार हैं :—

ग्रेड	वेतनमान	पद्धति
1	2	3
प्रधान निजी सचिव	3000-4500	निजी सचिवों की पदोन्नति द्वारा।
निजी सचिव	2000-3500	(क) 50 प्रतिशत वैयक्तिक सहायकों की पदोन्नति द्वारा; और (ख) 50 प्रतिशत तक सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा के आधार पर वैयक्तिक सहायकों की पदोन्नति द्वारा।
वैयक्तिक सहायक	1640-2900	(क) 205 प्रतिशत आशुलिपिकों की पदोन्नति द्वारा।

1	2	3
		(ख) 25 प्रतिशत तक सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा के आधार पर आशुलिपिकों की पदोन्नति द्वारा।
		(ग) 50 प्रतिशत तक सीधी भर्ती द्वारा।
आशुलिपिक	1200-2040	सीधी भर्ती द्वारा

2. सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में भर्ती आशुलिपिक दो वर्ष तक परिवीक्षाधीन रहेंगे। इस अवधि के दौरान उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा तथा परीक्षाएं पास करनी होंगी।

3. परिवीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार संबंधित व्यक्ति को उसके पद पर स्थायी कर सकती है अथवा यदि उसका कार्य अथवा आचरण सरकार की राय में असंतोषजनक रहा हो तो उसे सेवा से निकाला जा सकता है या सरकार यथोचित समय के लिए उसकी परिवीक्षा अवधि को आगे बढ़ा सकती है।

4. इस सेवा में नियुक्त आशुलिपिकों को दिल्ली/नई दिल्ली में स्थित रक्षा मंत्रालय के अधीन सशस्त्र सेना मुख्यालयों/अंतर्सेवा संगठनों के किसी एक कार्यालय में सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा योजना के सहभागी कार्यालयों में तैनात किया जाएगा। उनको भारत में किसी भी स्थान पर सेवा करनी होगी।

5. इस सेवा में नियुक्त आशुलिपिक, इस संबंध में समय-समय पर विद्यमान नियमों के अनुसार अगले उच्च ग्रेडों में पदोन्नति के लिए योग्य होंगे।

अनुबंध

सेवारत व्यक्तियों के लिए प्रमाणपत्र का फार्म

[नियम 3(i) के नीचे टिप्पणी II देखें]

मैं एतद्वारा सत्यापित करता हूँ कि मेरे पास उपलब्ध सूचना के अनुसार त. ()
रैंक नाम सशस्त्र सेना में अपनी नियुक्ति की निर्दिष्ट अवधि को पूरी करेगा।

स्थान :

कमांडिंग अधिकारी के हस्तक्षर

तारीख :

कार्यालय महर

उम्मीदवार द्वारा दिया जाने वाला वचन

मैं जानता हूँ कि उस भर्ती/परीक्षा जिसमें यह आवेदन पत्र संबंधित है, के आधार पर चयन होना की दशा में मेरी नियुक्ति इस शर्त पर होगी कि मैं नियोक्ता प्राधिकारी को इस आशय का लिखित सबूत दूँ कि मुझे सशस्त्र सेनाओं से विधिवत कार्यमुक्त/सिवा निवृत्त/डिस्चार्ज किया गया है और मैं समय-समय पर यथा-संशोधित भूतपूर्व सैनिक (केन्द्रीय सिविल सेवाओं तथा पदों में पुनर्नियोजन) नियम, 1979 के अनुसार भूतपूर्व सैनिकों को अनुज्ञेय प्रमुविधाओं का हकदार हूँ।

स्थान : उम्मीदवार के हस्ताक्षर

दिनांक :

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS

(Department of Personnel & Training)

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th December, 1991

No. 10/8/91-CS.II.—The rules for a Competitive Examination to be held by the Staff Selection Commission, Department of Personnel and Training for the purpose of filling temporary vacancies in the following services/posts (and for such other services/posts as may be included by the Commission in their advertisement inviting applications for the Examination) are published for general information :—

- A. Grade III of Stenographers Cadre of IFS 'B'
- B. Railway Board Secretariat Stenographers Service-Grade 'D'
- C. Central Secretariat Stenographers Service-Grade 'D'
- D. Armed Forces Headquarters Stenographers Service-Grade 'D'
- E. Central Vigilance Commission.
- F. Secretariat of Election Commission of India.
- G. Any other Department/Office, not mentioned above. Preference in respect of services/posts mentioned above will be invited by the Commission from the candidates at the time of submitting their applications. A candidate may, however, change the order of preferences once before the date of written examination.

2. The examination will be conducted by the Staff Selection Commission in the manner prescribed in Appendix I to these rules. The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

3. The number of vacancies to be filled on the result of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates who are Ex-servicemen, Scheduled

Caste, Scheduled Tribe and Physically Handicapped (Orthopaedically Handicapped and partially Blind) in respect of vacancies as may be fixed by the Government in accordance with the instructions.

NOTE : The Orthopaedically Handicapped :—

The Orthopaedically Handicapped are those who have a minimum of 40 per cent physical defect or deformity which causes an interference with the normal functioning of the bones, muscles and joints.

(i) Ex-serviceman fulfilling the conditions laid down by the Govt. from time to time shall be allowed to deduct military service from their actual age and such resultant age should not exceed prescribed age limit by more than three years.

Candidates admitted to the examination under this age concession will be eligible to compete for all the vacancies whether reserved or not for ex-servicemen.

"An ex-serviceman" means a person, who has served in any rank whether as a combatant or non-combatant in the Regular Army, Navy and Air Force of the Indian Union and

- (i) Pension holders for continuous embodied his/her pension ; or
- (ii) who has been released from such service on medical grounds attributable to military service or circumstances beyond his control and awarded medical or other disability pension ; or
- (iii) who has been released, otherwise than on his own request from such service as a result of reduction in establishment ; or
- (iv) who has been released from such service after completing the specific period of engagements, otherwise than at his own request or by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency and has been given a gratuity ; and includes personnel of the Territorial Army of the following categories ; namely :—
 - (i) Pension holders for continuous embodied service ;
 - (ii) Persons with disability attributable to military service ; and
 - (iii) Gallantry award Winners."

NOTE : I Ex-servicemen who have already joined Govt. job in civil side after availing of the benefits given to them as ex-servicemen for their re-employment are not eligible to the age concession.

NOTE : II The period of 'Call up Service of an ex-serviceman in the Armed Forces' shall also be treated as service concerned in the Armed Forces for purpose of para 3 (1) above.

NOTE : III For any serviceman of the three Armed Forces of the Union to be treated as Ex-serviceman for the purpose of securing the benefits or reservation, he must

have already acquired, at the relevant time of submitting his application for the post|service the status of Ex-service-man and/or is in a position to establish his acquired entitlement by documentary evidence from the competent authority that he would be discharged from the Armed Forces within the stipulated period of one year from the closing date on completion of his assignment. The form certificate|undertaking to be submitted by the candidate in this connection is given in Annexure (as given in para 2 of O. M. No. 36034/2/91|Estt(SCT) dated 3-4-91.

3. (ii) The Orthopaedically handicapped and partially Blind (as mentioned in para 3 will be as defined by Government from time to time. No scribe will be allowed to Orthopaedically Handicapped person.

NOTE : A SEPARATE EXAMINATION MAY BE HELD FOR PARTIALLY BLIND CANDIDATES.

3. (iii) Scheduled Castes|Scheduled Tribes means any of the Castes|Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951; the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951; as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Re-organisation Act, 1960, the Punjab Re-organisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 : and the North Eastern Areas (Re-organisation) Act, 1971; The Constitution (Jammu & Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956; the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959; the Constitution (Dadra and Nagar-Haveli) Scheduled Order, 1962; the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962; The Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964; the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967; the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman & Diu) Scheduled Tribes Order, 1968; the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970; the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976, the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978 and the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978, the Constitution (Jammu & Kashmir) Scheduled Tribes Order, 1989, the Constitution (Scheduled Caste) Order (Amendment) Act, 1990 and the Constitution (Scheduled Tribes) Order (Amendment) Ordinance, 1991, amended from time to time.

4. 1. A candidate must be either :—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India, before 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India; or

- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African Countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire, Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to Categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whole favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Provided further that candidates belonging to categories (b), (c) and (d) above will not be eligible for appointment to the Indian Foreign Service (b)—Grade-III of the Stenographers cadre.

2. A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the Examination but the offer of appointment will be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Ministry/Department which is administratively concerned with the post where the candidate is likely to be appointed.

5. (A) A candidate for this examination must have attained the age of 18 years and must not have attained the age of 25 years on 1-1-1992 i.e. he must have been born not earlier than 2nd January, 1967 and not later than 1st January, 1974.

5. (B) The upper age limit will be relaxable upto the age of 40 years in respect of persons who have been regularly appointed as stenographers (including language stenographers)|Clerks|Stenotypist|Hindi Clerks|Hindi Typist in various Departments|Offices of the Government of India and have rendered not less than 3 years continuous service as Stenographers (including language Stenographers|Clerks|Stenotypist|Hindi Clerk|Hindi Typist on 1st January, 1992 and continue to be so employed.

5. (C) The upper age limit in all the above cases will be further relaxable :—

- (i) upto a maximum of five years if candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) upto a maximum of three years (eight years for SC|ST) if a candidate is a bonafide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo Ceylon Agreement of October, 1964;
- (iii) upto a maximum of three years (eight years for SC|ST) in the case of Defence services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;
- (iv) upto a maximum of ten years if the candidate is physically handicapped person, i.e. Orthopaedically handicapped and partially blind.
- (v) upto the age of 35 years (upto 40 years for members of Scheduled Castes|Scheduled Tribes) in the case of widows, divorced

women and women judicially separated from their husbands, who are not remarried;

- (vi) Upper age limit is relaxable to retrenched employees of Chukha Hydel Project Authority in Bhutan who were directly recruited to the extent of regular service rendered by them with the Authority period of regular service rendered by the retrenched employees will be decided on the basis of certificate issued by the Chukha Hydel Project Authority;

Save as provided above the age limits prescribed can in no case be relaxed. Age concession is not admissible to the 'Sons/Daughters and dependents of Ex-servicemen' and to persons belonging to 'Backward Classes'.

N.B. (i) : The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 5(B) above is liable to be cancelled, if after submitting his application he resigns from service or his services are terminated by his department, either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the service or post after submitting his application.

N.B. (ii) : A stenographer (including language Stenographer/Clerk/Steno-Typist, Hindi Clerks/Hindi Typist) who is on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority, or who is transferred to another post but retains lien on the post from which he is transferred, will be eligible, to be admitted to the examination, if otherwise eligible.

6. Candidates must have passed the Matriculation Examination of any University incorporated by an Act of the Central or State Education Board at the end of the Secondary School, High School, or any other certificate which is accepted by the Government of that State/Government of India as equivalent to Matriculation certificate on or before 1-1-1992.

Note 1 : Candidates who have yet to appear at the Matriculation Examination or whose result has been with-held or not declared on or before 1-1-1992 are Not eligible.

Note 2 : In exceptional cases, the Central Government may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which in the opinion of the Government justifies this admission to the examination.

7. No person :—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person shall be eligible for appointment to service.

Provided that Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

8. All candidates in Government service whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or duty daily rated employee, or those serving under Public Enterprises, will be required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case of a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for appearing at the examination, their applications shall be rejected/candidature shall be cancelled.

9. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who after such medical examination, as may be prescribed by the competent authority, is found not to satisfy these requirements will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined.

NOTE :—In the case of disabled ex-Defence Service Personnel a certificate of fitness granted by the Demobilization Medical Board of the Defence Services will be considered adequate for the purpose of appointment.

10. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

11. Candidates except Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Physically Handicapped and Ex-servicemen must pay the fee prescribed in the Commission's Notice.

12. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

13. Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may disqualify him for admission.

14. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) Obtaining the support for his candidature by any means or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or

- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- (x) taking away Question Booklet|Answer Sheet| shorthand notes|typing scripts with him|her from the examination hall or passing it on to unauthorised person|persons during the conduct of the examination, from the Examination hall, or
- (xi) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations, or
- (xii) violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificates permitting them to take the examination, or
- (xiii) Attempting to commit or, as the case may be, abetting the Commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses, may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—
 - (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate, or
 - (b) to be debarred either permanently or for a specified period.
 - (i) by the Commission from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
 - (c) to disciplinary action under the appropriate Rules if he is already in service under Government.

Selection of candidates :

15. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order as many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination for appointment as English Stenographers or Hindi Stenographer as the case may be, shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Subject to other provisions contained in these rules, due consideration will be given to the preferences expressed by a candidate to various services|posts at the time of his application.

Provided that, candidates belonging to the Physically Handicapped categories or Ex-servicemen may, to the extent the number of vacancies reserved for them cannot be filled on the basis of general standards, be recommended at relaxed standards to make up for the deficiency in the reserved quota subject to fitness of such candidates for selection irrespective of their ranks in the order of merit.

Provided further that the candidates belonging to any of the Scheduled Castes or Scheduled Tribes, may to the extent of the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, be recommended by the Commission by a relaxed standard, subject to the fitness of these candidates for selection to the service.

Provided further that the candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes, who have been recommended by the Commission without resorting to the relaxed standard referred to in this sub-rule shall not be adjusted against the vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes.

16. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidate shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

17. Success in the examination shall confer no right to appointment unless the Government is satisfied, after such inquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the service.

18. Brief particulars relating to the Services to which recruitments is being made through this examination, are given in Appendix-II.

KARTAR SINGH, Under Secy.

APPENDIX-I

Scheme of Examination :—The Examination will consist of two parts, viz.

- Part-I Written Examination.
- Part-II Stenography T. st.

PART-I

Written Examination : The subject of the examination, the time allowed, the maximum marks for each subject and the syllabus and standard will be as follows:—

Subjects	Maximum Marks	Time Allowed
(i) General knowledge	100	} 200 2 hours
(ii) Language Test (Hindi, English)	100	

There will be a single composite paper for both the subjects. The question paper will contain Objective 'Multiple-Choice-Type' questions each containing

four alternative responses. Candidates will be required to qualify in each of the two subjects separately. The Commission will have full discretion to fix the minimum qualifying marks in both the subjects. Only such candidates who attain in each of the two subjects of the written examination, a minimum standard as may be fixed by the Commission in their discretion, would be eligible to be considered for being called for the shorthand test. The candidates will have option to answer the language test either in Hindi or English. The candidates who opt for Hindi medium in shorthand test will have to take the language test in Hindi and candidates opting for English shorthand will have to take language test in English. Candidates who answer the questions in the language test in language other than the one opted by him/her in the application form or in both the languages will be awarded zero marks.

Standard and Syllabus : The standard of the question papers will be approximately that of the Matriculation Examination of an Indian University.

General Awareness : Questions will be designed to test the ability of the candidate's general awareness of the environment around him and its application to society. Questions will also be designed to test knowledge of current events and of such matter of every day observations and experience in their scientific aspect as may be expected of an educated person. The test will also include questions relating to India & its neighbouring countries especially pertaining to History, Culture, Geography, Economic, Science, general Policy and Scientific Research.

Language Test: (Hindi/English) : Questions in this test will be set to assess the knowledge of Hindi/English Language, its vocabulary, Grammar, Sentence Structure, Synonyms and Antonyms etc. There will also be questions on Comprehension of passages.

PART-II

300 marks

SHORT HAND TEST IN HINDI OR IN ENGLISH (FOR THOSE WHO QUALIFY AT THE WRITTEN TEST)

The details about the shorthand test will be as follows :

Scheme of Shorthand Test :—

The candidates will be given one dictation test in minutes. The candidates who opt to take the test in English will be required to transcribe the matter in 65 minutes, and the candidates who opt to take the

test in Hindi will be required to transcribe the matter in 75 minutes.

1. Candidates will be required to transcribe their shorthand notes on typewriters and for this purpose they will be required to bring their own typewriters with them.

2. Candidates who opt to take the Shorthand test in Hindi will be required to learn English Stenography and vice-versa, after their appointment.

APPENDIX-II

Brief particulars relating to the service/posts to which recruitment is being made through the examination.

A. The Central Secretariat Stenographers' Service

1. The Central Secretariat Stenographers' Service has at present the following grades:—

Private Secretary Grade	Rs. 3000-100-3500-EB-125-4500
Grade 'A' & 'B' (merged)	2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500
Grade 'C'	Rs. 1640-60-2600-EB-75-2900
Grade 'D'	Rs. 1200-30-1560-EB-40-2040

2. Persons recruited to Grade 'D' for the service will be on probation for a period of two years. During this period they may be required to undergo such training and to pass such examination as may be prescribed by the Government.

3. On the conclusion of the period of probation, Government may confirm the person concerned in his appointment or if his work or conduct in the opinion of the Government has been unsatisfactory he may either be discharged from the Service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

4. Persons, recruited to Grade 'D' of the Service will be posted to one of the Ministries or Officer participating in the Central Secretariat Stenographers' Service Scheme. They may, however, at any time be transferred to any other such Ministry or office.

5. Persons recruited to Grade 'D' of the Service will be eligible for promotion to the next higher grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

B. The Railway Board Secretariat Stenographers' Service.

(a) (i) The Railway Board Secretariat Stenographers' Service has at present the following grades :

Grade 'A'	The unified grade of
Grade 'B'	Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-3500
Grade 'C'	Rs. 1640-60-2600-EB-75-2900
Grade 'D'	Rs. 1200-30-1560-EB-40-2040

(ii) Persons recruited to Grade 'D' of the service will be on probation for a period of two years. During this period they may be required to undergo such training and to pass such examinations as may be prescribed by Government. On the Conclusion of the period of probation if it is found that the work or conduct, in the opinion of the Government of any of them has been unsatisfactory he may either be discharged from the service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

(iii) Persons recruited to Grade 'D' of the Service will be eligible for promotion to the next higher grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(b) The Railway Board Secretariat Stenographers' Service is confined to the Ministry of Railways and staff are not liable transfer to other Ministries as in the case of the Central Secretariat Stenographers' service.

(c) Officers of the Railway Board's Stenographers Service recruited under these rules :

- (i) will be eligible for pensionary benefits : and
- (ii) shall subscribe to the non-contributory state Railway Provident Fund under the rules of that fund as are applicable to Railway Servant appointed on the date they join service.

(d) The candidates appointed to the Railway Board Secretariat Stenographers' Service will be entitled to the privilege of passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the orders issued by the Railway Board from time to time.

(e) As regards leave and other conditions of service, staff included in the Railway Board Secretariat Stenographers' Service are treated in the same way as other Railway Staff but in the matter of medical facilities they will be governed by the rules applicable to other Central Government employees with Headquarters at New Delhi.

C. Indian Foreign Service (B) Grade-III of the Stenographers

The stenographers cadre of the IFS 'B' has at present grades as follows :—

Selection Grade/Grade-I :

Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-3500

Grade-II

Rs. 1640-60-2600-EB-75-2900

Grade-III

Rs. 1200-30-1560-EB-40-2040

The constitution of a new grade in Stenographers Cadre in the Scale of Rs. 3000-100-3500-EB-125-4500 is under process.

2. Persons recruited to Grade III of the Service will be on probation for a period of two years. During this period they may be required to undergo such training and to pass such examinations as may be prescribed by the Government. On the conclusion of the period of probation if it is found that the work of the conduct of any of them, in the opinion of the Government has been unsatisfactory he may either be discharged from service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

3. Candidates appointed to the Indian Foreign Service (B) will be liable to serve in any post either at Headquarters, anywhere in India or abroad to which they may be posted by the controlling authority.

4. During service abroad IFS(B) officers, are granted foreign allowance in addition to their basic pay, at

rates which may be sanctioned from time to time, depending upon the cost of living etc. of the countries concerned. In addition, the following concessions are also admissible during service abroad, in accordance with the IFS (PLCA) Rules, 1961, as made applicable to IFS(B) officers :—

- (i) Free furnished accommodation according to the scale prescribed by the Government;
- (ii) Medical Attendance Facilities under the Assisted Medical Attendance Scheme.
- (iii) Return air passage to India and back to the place of duty abroad, upto a maximum of two (single tickets) throughout the officer's service, for personal emergencies.
- (iv) Annual return air passage for children between the age of 6 and 22 studying in India to visit their parents during vocation subject to certain conditions;
- (v) Expenditure on education of children upto a maximum of two children between the age of 5 and 18 studying at the place of posting abroad of the officer is met by the Government subject to certain conditions.
- (vi) Out fit allowance for posting abroad as per existing instructions.
- (vii) Home Leave Passage for officers and their families in accordance with the prescribed rules.

D. Armed Forces Headquarters Stenographers Service:

As per the exist in position there are 4 grades in AFHQ Stenographers Service with the methods of filling the posts as under :

Grade	Pay Scale	Method
Principal Private Secretary	Rs. 3000-4500/-	By promotion of Private Secretaries.
Private Secretary	Rs. 2000-3500/-	(a) 50% by promotion of Personal Assistants and (b) 50% by promotion of Personal Assistants on the basis of Limited Departmental Competitive Examination
Personal Assistant	Rs. 1640-2900/-	(a) 25% by promotion of Stenographers (b) 25% by promotion of Stenographers on the basis of Limited Departmental Competitive Examination (c) 50% by direct recruitment.
Stenographers	Rs. 1200-2040/-	By Direct Recruitment.

2. Persons recruited as stenographers of Armed Forces Headquarters Stenographers Service will be on probation for a period of two years. During this period they may be required to undergo such training and to pass such examination as may be prescribed by the Government.

3. On the conclusion of the period of probation, Government may confirm the person concerned in his appointment or if his work or conduct in the opinion of the Government has been unsatisfactory he may either be discharged from the Service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

4. Persons, recruited as stenographers of the Service will be posted to one of the offices of Armed Forces Headquarters/Inter Service Organisations under the Ministry of Defence Located in Delhi/New Delhi and participants in the Armed Forces Headquarters Stenographers Service Scheme. They, however, carry the liability to service anywhere in India.

5. Persons recruited as stenographers of the Service will be eligible for promotion to the next Higher grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

ANNEXURE

Form of Certificate for serving personnel (Please see Note. III below Rule 3(i))

I hereby certify that, according to the information available with me (No.) _____
Rank _____ Name _____

_____ is due to complete the specified term of his engagement with the Armed Forces on the (date)_____.

Place

Date

Signature of Commanding Officer

Office Seal

Undertaking to be given by the candidate

I understand that, if selected on the basis of the recruitment/examination to which this application relates my appointment will be subject to my producing documentary evidence to the satisfaction of the appointing authority that I have been duly released/retired/discharged from the Armed Forces and that I am entitled to the benefits admissible to ex-servicemen in terms of the Ex-servicemen (Re-employment in Central Civil Service & Posts) Rules, 1979, as amended from time to time.

Place

Date

Signature of candidate

